First Summative Evaluation : OCTOBER - 2023

Hindi

Time : 1½ Hours | **Std. VIII** | **Max. Marks : 25**

विभाग 1 ः गद्य

1 ः निम्नलिखित परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिएः (06)

बचपन से ही रेलवे स्टेशन पर जाना मुझे अच्छा लगता है । सन १९३५ की है । मैं शाम के समय टहलने के लिए प्रयाग स्टेशन पर चला गया। तभी मैंने देखा कि तीसरे दर्जे के डिब्बे से एक सज्जन उतर रहे हैं और अपना बिस्तर स्वयं अपनी बगल में दबाए प्लेटफार्म पर आगे बढ़ रहे हैं । पास आने पर देखा कि वृद्ध सज्जन और कोई नहीं, हिंदी के प्रसिद्ध कहानी और उपन्यास लेखक प्रेमचंद जी हैं । मैं आगे बढ़कर बोल उठा; "बाबू जी ! आप ?" उन्होंने जोर से ठहाका लगाया और कहा, "हाँ, मैं ।" उनके अट्टहास से सारा स्टेशन गूँज उठा । मैंने पूछा- '"कहाँ जाइएगा ?" उत्तर दिया- "जहाँ तुम कहो ।" मैंने कहा-"मेरे घर चलिए ।" उन्होंने उत्तर दिया- "चलो" और बिना किसी तकल्लुफ के वे मेरे साथ पैदल मेरे घर चले आए । इतने बड़े साहित्यकार, वे इतने सरल और सौम्य हैं कि अपने जीवन की सुविधा के लिए कोई भी उपकरण जुटाना नहीं चाहते । उनका अट्टहास इतना आकाशव्यापी है कि वातावरण का सारा विषाद उसमें धुल जाता है ।

(1) संजाल पूर्ण कीजिए ः (2)

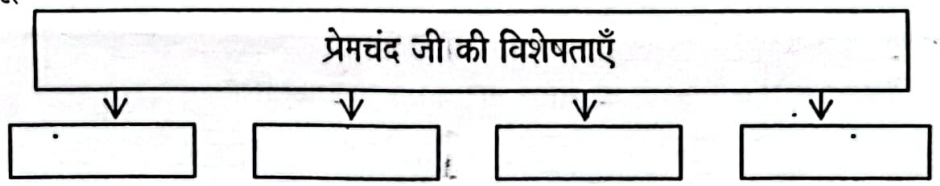

(2) (i) गद्यांश से अँग्रेजी शब्द ढूँढ़कर लिखिए ः (1)

(1) ..... (2) .....

(ii) निम्नलिखित शब्दों को समानार्थी शब्द लिखिए ः (1)

(1) प्रसिद्ध ..... (2) आरंभ .....

(3) अपने अनुभव किए हुए आतिथ्य के बारे में लिखिए। (2)

2 ः निम्नलिखित परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिएः (06)

मनुष्य के अनुभव और साक्षात्कार भी एकांगी हो सकते हैं और वचन सत्य होते हुए भी सत्य को पूर्णरूप से व्यक्त करने में असमर्थ भी हो सकते हैं । इसीलिए धर्मग्रंथों का, ऋषि वचनों का और महावाक्यों का अर्थ समय-समय पर व्यापक होता आया है । अंतिम सत्य अर्थात परम सत्य समझने में भी क्रम विकास पाया जाता है । जहाँ अतिश्रद्धा है वहाँ गुरु के वचनों का व्यापक अर्थ करते भी शिष्य डरता है । कभी-कभी गुरु लोग शिष्यों की ओर से अतिश्रद्धा की ही अपेक्षा रखते हैं । ऐसे लोगों ने ही सिद्धांत चलाया है, श्रद्धा रखो तो बेड़ा पार है, उद्धार हो ही जाएगा । इसमें अलं बुद्धि आती है जो प्रगति के लिए मारक है । सत्यनिष्ठा, आत्मनिष्ठा और अनुभवमूलक जीवननिष्ठा यही मुख्य बात है ।

(1) कृति पूर्ण कीजिए ः (2)

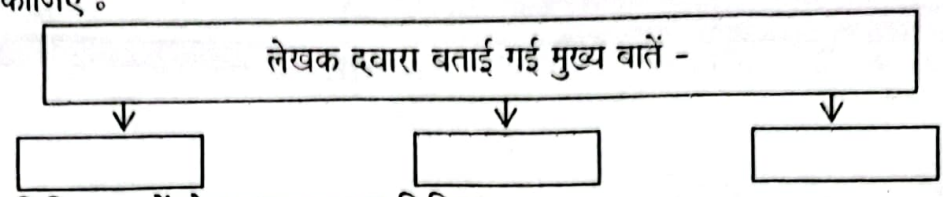

(2) (i) निम्नलिखित शब्दों के वचन बदलकर लिखिए ः (1)

(1) शिष्य - ..... (2) धर्म ग्रंथ - .....

(ii) निम्नलिखित शब्दों के लिंग पहचानकर लिखिए ः (1)

(1) श्रद्धा ..... (2) गुरू .....

(3) 'मनुष्य के जीवन में अभ्यास का महत्त्व' विष्य पर अपने विचार लिखिए। (2)

विभाग 2 ः पद्य

3 ः निम्नलिखित पद्यांश पढ़कर सूचनाओ के अनुसार कृतियाँ कीजिएः (04)

गो मैं हूँ मँझधार में आज बिना पतवार, लेकिन कितनों को किया मैंने सागर पार । जब हो चारों ही तरफ घोर घना अँधियार, ऐसे में खद्योत भी पाते हैं सत्कार	टी. वी. ने हमपर किया यूँ छुप-छुपकर वार, संस्कृति सब घायल हुई बिना तीर-तलवार । दूरभाष का देश में जब से हुआ प्रचार, तब से घर आते नहीं चिट्ठी-पत्री-तार ।

(1) कृति पूर्ण कीजिए ः (2)

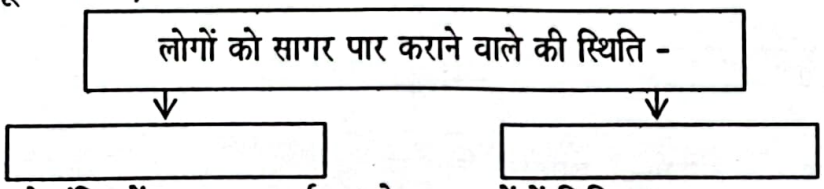

(2) 'अंतिम दो पंक्तियों का सरल अर्थ 25 से 30 शब्दों में लिखिए। (2)

4 ः निम्नलिखित सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिएः (05)

(1) मानक वर्तनी के अनुसार सही शब्द छाँटकर लिखिए ः (1)

(i) ग्रहकार्य , ग्रहकारय , गृहकार्य , गरहकार्य

(2) कृति पूर्ण कीजिए ः (1)

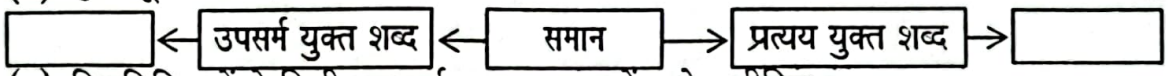

(3) निम्नलिखित में से किसी एक सर्वनाम का वाक्य में प्रयोग कीजिए ः (1)

(i) हम (ii) वे

(4) (i) मैं अच्छा इनसान बनूँगा। (कालभेद पहचानिए) (1)

(ii) शकुन रोते-रोते सो गई थी। (सामान्य वर्तमानकाल) (1)

5 ः सुचनाओं के अनुसार कोई एक कृति लिखिएः (4)

(1) अपने विद्यालय के प्रधानाचार्य को चार दिन की छुट्टी की माँग करने हेतु प्रार्थना पत्र लिखो।

(2) निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर 60 से 70 शब्दों में निबंध लिखिए।

(i) मेरा प्रिय त्योहार (ii) वृक्ष का महत्व